Literacy for a Billion

Movie: Tare zameen par
Year: 2007

Song: Kho na jaaye
Lyricist: Prasoon Joshi

कभी बाते जैसे दादी नानी
कभी चलती जैसे मम मम पानी
कभी बन जाए
भोले सवालों की झड़ी
सन्नाटे में हँसी के जैसे
सूने होंठों पे खुशी के जैसे
ये तो नूर है बरसे
अगर तेरी क़िस्मत को बड़ी
जैसे झील में लहराए चंदा
जैसे भीड़ में अपनो का कंधा
जैसे मनमौज़ी नदियाँ
झाँग उड़ाए कुछ कहें
जैसे बैठे बैठे मीठी सी झपकी
जैसे प्यार की धीमी सी थपकी

जैसे कानों में सरगम
हरदम बजती ही रहे
हो...
खो ना जाए
खो ना जाए
खो ना जाए
खो ना जाए ये
खो ना जाए ये
खो ना जाए ये

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.